12 रहीम के दोहे

1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग ।
चंदन विष व्याप्त नहि, लपटे रहत भुजंग ।।

2. रहीमन निज मन की व्यथा, मन ही राखौ गोय।
सुनि अठिलैहें लोग सब, बाँटि न लैहे कोय ।।

3. रहीमन धागा प्रेम का, मत तोरेउ चटकाय ।
जोड़े से फिर न जुरै, जुरै गाँठ परि जाय ।।

4. तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पानि।
कही रहीम पर काज हित, संपत्ति सँचहिं सुजान।।

5. रहीम देखि बड़ेन को, लघु न दीजै डारि ।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि ।।

6. रहीमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहि ।
उनते पहिले वे मुए, जिन मुख निकसत नाहिं ।।

7. यो रहीम सुख होत हैं, उपकारी के संग ।
बाँटनवारे को लगे, ज्यों मेंहदी का रंग ।।

8. कारज धीरे होत है, काहे होत अधीर ।
समय पाइ तरुवर फले, केतक सींचो नीर ।।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

शब्दार्थ :

निज	– अपना	**गोय**	– गुप्त, छिपाकर
अठिलैहें	– उपहास करना	**बाँटि**	– बाँटना
तरुवर	– वृक्ष	**सरवर**	– तालाब
सँचहि	– इकट्‌ठा करना	**परकाज**	– परोपकार
उत्तम	– बहुत अच्छा	**प्रकृति**	– स्वभाव
कुसंग	– खराब लोगों dkसाथ	**भुजंग**	– साँप
लघु	– छोटा	**बड़ेन**	– उच्च, महान
तरवारि	– तलवार	**माँगन**	– माँगना
मुए	– मृत	**निकसत**	– निकलता

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से-

1. अपने मन की पीड़ा को क्यों छिपाकर रखनी चाहिए ?
2. प्रेम को धागे के समान क्यों कहा गया?
3. किसी से कुछ माँगने के कर्म को कैसा बताया गया है और क्यों?
4. सज्जनों की संपत्ति किस कार्य के लिए होती है?
5. **रहीम के कुछ सुक्तियाँ नीचे दी गई हैं। पाठ के आधार पर उन उदाहरणों को लिखिए जो उन सुक्तियों के प्रमाण-स्वरूप दिए गए हैं -**
   (क) अच्छे लोगों पर बुरे लोगों की संगति का बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।
   (ख) भले लोग (सज्जन लोग) परोपकार के कार्य पर खर्च करते हैं।
   (ग) हमें बड़े-छोटे सभी का सम्मान करना चाहिए।
   (घ) दूसरों का भला करने वालों का अपने आप भला हो जाता है?
   (ङ) हमें किसी कार्य के लिए अत्यधिक व्याकुल नहीं होना चाहिए।
6. 'जहाँ काम आवै सुई .... तरवारि' का भाव स्पष्ट करें।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

पाठ से आगे-

1. ऐसे किन्हीं दो अवसरों की चर्चा कीजिए जब आपने दूसरों के लिए काम किया और आपको उसका लाभ मिला हो।
2. परोपकार से आप क्या समझते हैं? ऐसे कार्यों की सूची बनाइए जिन्हें आप परोपकार का कार्य समझते हैं।

व्याकरण-

1. **समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए**

राखों	काम
अठिलाना	निकलना
सरवर	इतराना
निकसत	रखना
कारज	तालाब

कुछ करने को-

1. दस परोपकारी व्यक्तियों की सूची बनाइए। उनके द्वारा किए गए परोपकार के कार्यों को भी लिखिए।

© BSTBPC WEB COPY :NOT TO BE PUBLISHED
© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED